गणतंत्र दिवस 1 | हिन्दी नाट्य महोत्सव–2017 2 | संकाय समाचार 3 | एन. सी. सी. 6

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

अक्टूबर 2017–मार्च 2018
अंक 12

गणतंत्र दिवस

दयालबाग़ विश्व विद्यालय में 69वें गणतंत्र दिवस का आयोजन प्रातः 10 बजे से विज्ञान संकाय प्रांगण में आरंभ हुआ। मुख्य अतिथि श्री के. राम मोहन राव, कमिश्नर, आगरा ने ध्वजारोहण किया। मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर एन.सी.सी. की कैडेट्स ने दिया। परम गुरू प्रो. प्रेम सरन सत्संगी जी एवं रानी साहिबा की उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ गई। तत्पश्चात विश्व विद्यालय के विभिन्न संकायों और कॉलेज के छात्र छात्राओं ने मार्च पास्ट किया। विभिन्न रंगों के ध्वज लिये कदम से कदम मिलाते हुए छात्र छात्राएँ जीतने की चाह में आगे बढ़ रहे थे, जिसमें महिला वर्ग में प्रेम विद्यालय प्रथम और पुरुष वर्ग में टेक्नीकल कॉलेज प्रथम रहे, जिन्हें शील्ड प्रदान की गई। कर्नल एस. एस. वढेरा, और कर्नल जी. डी. मल्होत्रा मार्च पास्ट के निर्णायक मंडल में थे।

विजयी टीम को मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा शील्ड प्रदान की गई। विश्व विद्यालय की छात्राओं ने गीत प्रस्तुत किया–''अपनी ज़मी अपना गगन अपना चमन सब एक है, कह दो जमाने से कि हम सब एक हैं।'' मुख्य अतिथि ने अपने उद्‌बोधन में स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें दीं और कहा कि कर्म करें अहंकार की भावना न रखें। संस्थान के निदेशक प्रोफसर पी. के. कालड़ा जी ने छात्र छात्राओं को कर्म का संदेश देते हुए आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कविता रायज़ादा ने किया। धन्यवाद डॉ. प्रेम शंकर ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. आनंद मोहन कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी भी उपस्थित थे।

हिन्दी नाट्य महोत्सव – 2017

डी.ई.आई. के हिन्दी विभाग द्वारा 27 से 29 अक्टूबर, 2017 तक दीक्षान्त सभागार में हिन्दी नाट्य महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में आगरा के 13 विद्यालयों – राधाबल्लभ पब्लिक स्कूल, डॉ. एम.पी.एस वर्ल्ड स्कूल, सेंट पीटर्स कॉलेज, बलूनी पब्लिक स्कूल, सेंट क्लेयर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सिम्पकिंस स्कूल, सेंट कॉनरेड्स इंटर कॉलेज, जी.डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, आगरा पब्लिक स्कूल, श्रीराम सेंटेनियल स्कूल, आर.ई.आई इंटरमीटिएट कॉलेज, प्रेमविद्यालय गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज एवं डी.ई.आई. के सभी संकायों सहित 10 कॉलेजों – हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, गृह विज्ञान संस्थान (बी.आर.अम्बेडकर यूनीवर्सिटी) आगरा, आनन्द इंजीनियरिंग कॉलेज ने प्रतिभागिता की। विद्यालय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का पुरस्कार सेंट कॉनरेड्स इंटर कॉलेज की नाट्य–प्रस्तुति 'समर्पण' को मिला, जिसके अन्तर्गत गौतम बुद्ध की पत्नी यशोधरा के त्याग एव समर्पण को दर्शाया गया तथा विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का पुरस्कार डी.ई.आई. के अभियांत्रिकी संकाय की नाट्य–प्रतुति 'अभिन्न' को मिला, जिसमें समाज के हाशिए पर पड़े किन्नरों के जीवन की व्यथा को दिखाया गया। नाट्य–प्रस्तुतियों के पश्चात् आगरा की 'रंगलीला' संस्था की सुश्री सोनम वर्मा ने प्रेमचन्द की कहानी 'ठाकुर का कुआँ' की कथावाचन शैली में प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

हिन्दी नाट्य महोत्सव के निर्णायक–मंडल में आगरा के सुप्रसिद्ध रंगकर्मी श्री अनिल शुक्ल, श्री उमेश अमल एवं सुश्री अलका सिंह थे। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की शोध छात्राओं–प्रीति, कंचन बंसवाल, गीतांजलि, नीलम एवं रजनी कुमारी ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन करने हेतु डी.ई.आई. के निदेशक प्रो. प्रेम कुमार कालड़ा, कुलसचिव प्रो. आनन्द मोहन, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, कला संकाय के डीन प्रो. जे.के.वर्मा हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रो. शर्मिला सक्सेना, कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. दयाल प्यारी सिन्हा सहित हिन्दी विभाग के समस्त शिक्षकगण–प्रो. कमलेश कुमारी रवि, डॉ. सुमन शर्मा, डॉ. नमस्या, डॉ.सूरज प्रकाश, प्रेमशंकर सिंह, डॉ. बृजराज सिंह आदि उपस्थित रहे।

संकाय समाचार

कला संकाय

अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मेलन व सम्मान समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं नैतिक मूल्यों के पुनर्जीवन हेतु जगमग दीप ज्योति, अलवर (राज0) द्वारा डॉ. निशीथ गौड़ को दिनांक 17.12.2017 चौ0 खूमसिंह स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया।

डॉ. निशीथ गौड़ का शोध पत्र वसुधैव कुटुम्बकम्, भाति में भारतम के परिप्रेक्ष्य में, प्रवासी हिन्दी साहित्य दशा एवं दिशा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली। आई.एस.बी.एन.978–81–7965–311–1 में प्रकाशित हुआ।

प्रो. अगम कुलश्रेष्ठ विरचित ई. बुक – चेतना का सागर, अनुराग सागर, डी.ई.आई. वेबसाइट पर प्रकाशित हुई।

दिनांक 17.12.2017 को संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत सन्ध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य वैदिक मन्त्रों व लौकिक श्लोकों तथा संस्कृत गीतों के माधुर्य एवं महत्ता का परिचय कराना था। जिसके अन्तर्गत अग्निसूक्त, शिवताण्डवम्, गणेश वन्दना, धनपाठ, मन्त्रपुष्पम्, शिव संकल्पसूक्त, धीवरगीत तथा संस्कृत गीतों की अलौकिक प्रस्तुति हुई। जिसमें निम्नलिखित प्राध्यापक वृन्द तथा छात्रों ने प्रतिभाग लिया– डॉ. प्रियंका आर्या, डॉ. नन्दिनी रघुवंशी, डॉ. निशीथ गौड, प्रो. मीरा शर्मा तथा छात्रों में निरूपमा, आकांक्षा, नकाशा, वंशिका, राखी, भूपेन्द्र गौतम। संगीत विभाग के डॉ. गौतम तिवारी तथा उनके छात्रों ने भी शिवसंकल्प सूक्त की अद्भुत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. पी.के. कालड़ा उपस्थित थे तथा श्री राममूर्ति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संकाय प्रमुख प्रो. जे.के. वर्मा तथा संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. गिरिराज कुमार के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ तथा कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. अभिमन्यु ने किया।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, दिल्ली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय वेद सम्मेलन – 15, 16, 17 दिसम्बर 2017 में शोधछात्र भूपेन्द्र कुमार गौतम ने अपना शोध पत्र– वेदों में उद्योग–कृषि एवं पशुपालन प्रस्तुत किया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, साहित्य अकादमी एवं हिन्दी वैश्विक संस्थान, नीदरलैण्ड्स, यूरोप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी – प्रवासी हिन्दी साहित्य : दशा एवं दिशा 12 एवं 13 जनवरी, 2018 में संस्कृत विभाग के छात्रों ने निम्न शोधपत्र प्रस्तुत किए – भूपेन्द्र कुमार गौतम – हिन्दी एवं संस्कृत साहित्य में प्रवासियों के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन। मोहित शर्मा – "प्रवासी भारतीय वाङ्मय का सांस्कृतिक अध्ययन"। वर्षारानी – "प्रवासी भारतीय वाङ्मय का सांस्कृतिक अध्ययन"। मोनिका मीना – संस्कृत साहित्य में प्रवासियों की संस्कृति एक अध्ययन। राधादेवी – प्रवासियों की संस्कृति का सांस्कृतिक साहित्य पर प्रभाव। सविता – राजस्थान संस्कृत साहित्य में प्रवासी हिन्दी साहित्य का अध्ययन। मंजरी यादव – प्रवासियों की परम्पराओं का अध्ययन। अर्चना – प्रवासियों की दशा एवं दिशा अध्ययन संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में। नेहा वार्ष्णेय – "अनुदित साहित्य प्रवासियों के परिप्रेक्ष्य में"।

शिक्षा संकाय

प्रो० एन.पी.एस. चंदेल ने 23 दिसम्बर 2017 को 'कम्युनिकेशन स्किल्स' विषय पर फार्मेसी विभाग, खन्दारी में व्याख्यान दिया।

प्रो० एन.पी.एस. चंदेल ने दिनांक 18–20 जनवरी 2018 को रीजनल इन्स्टीट्यूट ऑफ

एजुकेशन (एन सी ई आर टी) भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की एवं नॉन–वर्बल कम्युनिकेशन विषय पर व्याख्यान भी दिया।

उमेश–सोने ने शिक्षक शिक्षार्थियों के लिए तिमरनी (म.प्र.) में दिनांक 25 दिसम्बर 2017 से 14 जनवरी 2018 तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसी अवधि के दौरान आई.सी.टी. विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया।

डॉ. आरती सिंह ने वैयक्तिक चेतना एवं परम चेतना के मध्य तादात्म्य स्थापित करने हेतु वेदांत शिक्षा दर्शन की भूमिका विषय पर दिनांक 03/01/2018 को नैनो क्वान्टम सेन्टर, डी.ई.आई में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. क्षमा पाण्डेय एवं प्रियंका मित्तल का शोध पत्र मूडल्स लर्निंग मैनेजमेन्ट सिस्टम इज द लीडिंग एल.एम.एस.फॉर एजुकेशन' जर्नल ऑफ ट्रांसफार्मिंग टीचर एजुकेशन इन चेंजिंग सिनेरियो, वाल्यूम 2 पृ0 सं0 49–55, दिसम्बर – 2017 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. क्षमा पाण्डेय एवं प्रियंका मित्तल द्वारा लिखित अध्याय 'पतंजलि योगाभ्यास का साम्वेगिक रूप से अस्थिर बालकों के नैतिक निर्णय पर प्रभाव का अध्ययन' होलिस्टिक योगा एच–3 नामक पुस्तक में प्रकाशित हुआ। प्रकाशन कृषि संस्कृति पब्लिकेशन्स। दिसम्बर 2017।

डॉ. क्षमा पाण्डेय एवं प्रियंका मित्तल शोध अध्याय – दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डी.ई.आई) ऐज़ ए रिजेम्बलेन्स ऑफ सस्टेनबिलिटी एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफीशिय पब्लिकेशन ऑफ सोसायटी फॉर साइंस एण्ड नेचर, औरा प्रकाशन नवम्बर, 2017।

डॉ. अमित गौतम द्वारा प्रस्तुत शोध प्रपत्र विषय : इनक्लूजिव एजुकेशनल ए सपोर्ट टू लर्नर्रस विद स्पेशल नीड्स दिनांक 9–10 नवम्बर, 2017 को नेशनल यूनिवर्सिटी प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन, न्यू देलही में किया गया।

डॉ. अमित–गौतम ने विषय 'एल.एम.एस. ए स्ट्रक्चर फॉर इनहेन्सड क्लासरूम टीचिंग' पर शोध प्रपत्र रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल (एन.सी.ई.आर.टी) भोपाल में दिनांक 18–20 जनवरी, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया।

समाज विज्ञान संकाय

प्रो. स्वामीप्रकाश श्रीवास्तव का शोध पत्र "गुड्स एण्ड सर्विस टैक्स–प्रास्पेक्ट्स, अपोर्च्युनिटीज़, चैलेन्जेस" भारतीय राजनीति एवं आर्थिक संघ के 21वें सम्मेलन की प्रोसिडिंग में प्रकाशित हुआ। यह सम्मेलन 8–9 दिसम्बर 2017 को आई.आई.टी. दिल्ली के मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग तथा प्रबन्ध विभाग में आयोजित किया। इसी सम्मेलन में प्रो. स्वामीप्रकाश श्रीवास्तव ने उक्त विषय पर शोध पत्र भी पढ़ा।

समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग में आई.आई.टी. कानपुर के मानविकी विभाग के प्रो. ए. के. शर्मा ने दिनांक 19 जनवरी 2018 को "सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी का प्रयोग" विषय पर व्याख्यान दिया तथा छात्र–छात्राओं को सांख्यिकी मापों के विषय में समझाया। इस अवसर पर प्रो. पूर्णिमा जैन, प्रो. संजीव स्वामी, प्रो. वन्दना गौड, डॉ. बीरपाल सिंह ठैनुआं, डॉ. ईश्वरस्वरूप सहाय, डॉ. अंजु शर्मा, डॉ. लजवन्त सिंह सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

डॉ. बीरपाल सिंह ठैनुआं का शोध पत्र "ए सोश्योलोजिकल इन्टरप्रिटेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स वाइलेशन अगेन्स्ट वुमेन इन इण्डिया" इनोवेशन – द रिसर्च कन्सेप्ट (मल्टीडिसिप्लिनरी बाइलिंग्वल इन्टरनेशनल जनरल) के नवम्बर 2017 अंक में प्रकाशित हुआ। (वोल्यूम–2 इश्यू–11 दिसम्बर, 2017)

विज्ञान संकाय

डी.ई.आई. की टीम ने बोस्टन, अमेरिका में भारत का झंडा लहराया। वहाँ के एम.आई.टी. में हुई 9 नवम्बर से 13 नवम्बर 2017 तक अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में टीम डी.ई.आई. को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

डी.ई.आई. टीम को एम.आई.टी बोस्टन (यू.

एस.) में होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किया गया था। बायोटेक्नोलॉजी मंत्रालय ने देश से पाँच संस्थानों की टीम को चयन किया था। उत्तर प्रदेश से चयनित होने वाली टीम डी.ई. आई. थी। कुल मिलाकर प्रतियोगिता में विश्व की 313 टीमों की भागीदारी थी। 8–13 नवम्बर तक चले मुकाबलों में डी.ई.आई. की टीम ने इंजीनियर्ड बैक्टीरिया के जरिए पानी में घुले–मिले भारी रसायन या धातुओं को निकालने का फार्मूला पेश किया था। टीम ने इस बैक्टीरिया पर आधारित बायोबिड्स को अपनी प्रयोगशाला में विकसित किया था। कई सत्रों में पेपर, पोस्टर प्रेजेंटेशन किये गये। निर्णायक मण्डल ने टीम डी.ई.आई. के तीसरे स्थान पर विजेता होने की घोषणा की । समापन समारोह में टीम को कांस्य पदक दिया गया। ये शोध कार्य डॉ. राजीव रंजन, सहायक अध्यापक वनस्पति शास्त्र के निर्देशन में किया गया। दल में दीपिंती गुप्ता, मृणालिनी प्रसाद, गौरी शर्मा, सिमरन सिंह, नाजिया परवीन और रिचा शामिल थे।

प्रो. सुखदेव ने उच्चतर शिक्षा के रोडमैप, सी. वी. रमन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग भुवनेश्वर में समूह विशेषज्ञ के रूप में 5 अक्टूबर 2017 को हिस्सा लिया।

डॉ. राजीव रंजन ने आमंत्रित वक्ता के रूप में –इन्टरनेशनल बायोटेक एवं हेल्थकेयर सम्मेलन में 26–27 अक्टूबर को प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद में भाग लिया।

वनस्पति विज्ञान से शोधछात्रों–मृणालिनी प्रसाद, प्रेक्षा श्रीवास्तव, दीपिका गोयल ने पाँचवीं राजस्थान विज्ञान कान्फ्रेस में 13 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2017 को हिस्सा लिया। मृणालिनी प्रसाद, ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।

टेक्नीकल कॉलेज

प्रो. रंजीत सिंह, मयंक अग्रवाल का शोध पत्र प्रोडक्टिविटी इम्प्रूवमेण्ट एण्ड कैपेसिटी इनहेन्समेण्ट ऑफ एन ओटोमोबाइल इन्डस्ट्रीः ए केस स्टडी अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका इन्जीनियरिंग रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी में नवम्बर 2017 में प्रकाशित हुआ। आई. एस.एस.एन-2278-0181

प्रेम विद्यालय

दिनांक 10.11.2017 विद्यालय परिसर में विज्ञान की उपयोगिता व हरित ऊर्जा संरक्षण पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिस पर छात्राओं ने विषयाधारित नवीन विचारों को प्रस्तुत किया।

दिनांक 12.11.2017 स्फीहा द्वारा आयोजित प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल में कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रेम विद्यालय की छात्राओं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की उत्कृष्ट प्रस्तुति कर निम्न पुरस्कार प्राप्त किए–चित्रकला प्रतियोगिता :–तनिष्का तिवारी–12 वीं –ए–तृतीय, दीपशिखा कुमारी12 वीं –सी–सांत्वना,दीपशिखा सत्संगी–12 वीं –सी–सांत्वना

दिनांक 17.11.2017 आई.एस.सी.यू.जी.सी सर्वेक्षण टीम के स्वागत के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कला, विज्ञान, गृह विज्ञान सम्बन्धित उत्कृष्ट प्रदर्शनी लगाई गई।

दिनांक 26.11.2017 नेशनल केडेट कोर दिवस के उपलक्ष्य में एन.सी.सी. केडेट द्वारा महिला सशक्तिकरण पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर समाज को नई सोच के लिए प्रेरित किया।

दिनांक 29 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2017 तक चलने वाली राज्य स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता –भारोत्तोलन में प्रेम विद्यालय की छात्रा मितेश यादव ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर अपने विद्यालय को

गौरवान्वित किया।

दिनांक 27.10.2012 संगीत कला केन्द्र, पं० रघुनाथ तलेगाँवकर फाउण्डेशन ट्रस्ट आगरा द्वारा आयोजित भजन' प्रतियोगिता में निहार सत्संगी ने प्रथम स्थान तथा भारतीय संगीत गायन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 24.10.2012 डॉ. एम. पी. एस. विद्यालय में स्फीहा द्वारा आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में प्रेम विद्यालय की छात्राओं ने हिन्दी एवं अंग्रेजी में निम्न पुरस्कार प्राप्त किये–हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता –सुपर सीनियर ग्रुप में महिमा सत्संगी (12 वीं –ए–)–तृतीय एवं तरंग सिंह (10 वीं –बी)–तृतीय रहे। सीनियर ग्रुप में चंचल सुमन ने (10 वीं –ए)–तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिता में –दृष्टि गोयल (11 वीं –सी) ने प्रथम तथा आशना तनेजा (9 वीं –बी) ने भी प्रथम स्थान हासिल किया।

दिनांक 15.11.2017 अंग्रेजी नाट्य महोत्सव में डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय के आर.ई.आई. हॉल में आयोजित अन्तर विद्यालयी प्रतियोगिता में प्रेम विद्यालय की छात्राओं ने निम्न पुरस्कार प्राप्त किए– दृष्टि गोयल सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ मंच सज्जा, सर्वश्रेष्ठ कथा।

एन. सी. सी.

डी.ई.आई. के एन सी.सी. कैडेट राहुल त्यागी ने बांग्लादेश में तथा कैडेट विशाल पचौरी ने भूटान में आयोजित एक्सचेंज प्रोग्राम में किया देश का नेतृत्व

देश भर से चुने गए 164 कैडेट्स में से केडेट राहुल त्यागी सहित 20 कैडेट्स ने 14–24 दिसम्बर, 2017 तक ढाका, बांग्लादेश में हुए अंतराष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम में अपनी भागीदारी प्रस्तुत की। यह समूह 10 लड़के व 10 लड़कियों का था, जिसमें कैडेट्स भारत के विभिन्न राज्यों से थे। कर्नल परमजीत आर्या एवं लैफ्टिनेंट कर्नल अन्सार की अध्यक्षता में दल ने विनिमय कायक्रम में शिरकत की।

बांग्लादेश पहुँचने से पहले डी. जी. एन सी सी, दिल्ली में 5–12 दिसम्बर तक युवा विनिमय कार्यक्रम के लिए एक प्रारम्भिक शिविर हुआ। शिविर में भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम तैयार किए तथा ड्रिल अभ्यास किया गया। इसी बीच राष्ट्र को परिलक्षित करती एक पीपीटी भी बनायी गयी।

13 दिसमबर , 2017 को भारतीय मानक समय के दिन के 1:35 मिनट पर केडेट ढाका हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहाँ की तुलना में बांग्लादेश में मौसम थोड़ा गर्म था बांग्लादेश एन सी सी मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर था। वहाँ श्री लंका, मालदीव, तथा नेपाल से आए कैडेट्स पहले से मौजूद थे।

बांग्लादेश, एन सी सी के मेजर द्वारा सम्बोधित किया गया। उन्होंने चार बांग्लादेशी एन सी सी कैडेट से अवगत कराया जो बांग्लादेश में पूरे प्रवास के दौरान इन 20 केडेट्स के गाइड कैडट थे, साथ ही मेजर ने उन्हें आने वाले 11 दिनों में होने वाले कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी तथा उनसे

सम्बन्धित निर्देश भी दिए।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, राष्ट्रपति अब्दुल हामिद, युवा दिग्गजों के साथ मुलाकात, रक्षा सचिव तथा बांग्लादेश की जल, थल व वायुसेना प्रमुखादि के साथ वार्त्तालाप स्वाभाविक रूप से मुख्य गतिविधियां थीं। बांग्लादेश के भारतीय राजदूतावास में भारतीय राजदूतों के साथ हुई आधिकारिक मीटिंग भी मुख्य अनुभवों में से एक रही जहां पैरा रेजीमेन्ट के ब्रिगेडियर नन्दा द्वारा सारी गतिविधियों से अवगत कराया गया।

कैडेट राहुल 16 दिसम्बर, 2017 को हुई बांग्लादेश की स्वतंत्रता दिवस के साक्षी बने जिसमें बांग्लादेश की थल सेना, नौसेना, वायु सेना, पुलिस, एवं एन सी सी आदि की विभिन्न टुकड़ियों ने राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को सलामी देते हुए मार्च किया। बांग्लादेश की संस्कृति , विकास, भूमि का रूप व्यवस्था तथा आर्थिक व्यवस्था को प्रस्फुटित करती हुई झाँकियां परेड में शोभायमान तथा वायुसेना के विमानों एम. आई–21, हरक्यूलिस आदि का प्रर्दशन व आसमानी करतब साँसें रोक देने के लिए काफी थे।

उसके बाद ए. एफ. डी. एस. ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं जो सबके हृदय को छूती हुई निकलीं। दूसरे देशों के कैडेट विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां बेहद उम्दा थीं। आखिरी प्रस्तुतियां बांग्लादेशी कैडेट की टीम से थी। इन सब प्रस्तुतियों के बाद सभी 5 देशों के कैडेट्स एक साथ मंच पर आए और फ्री स्टाइल डान्स –– के साथ सभी देशों के बीच एकता एवं सामन्जस्य के साथ यह कार्यक्रम समाप्त हुआ।

राजकीय भ्रमण के लिए भी ले जाया गया जिसमें बांग्लादेश का संसद भवन जो कि एक स्तंभ पर कांकरीट से बनी हुई भव्य इमारत है दिखाया गया, जमुना फीचर पार्क भी दिखाया गया। बांग्लादेश के एयरफोर्स बेस में फाइटर विमानों के बारे में विस्तार से समझने को मिला।

चिटागोंग में मोटरबोट जैसे उत्साहवर्धी क्रियाकलापों में सक्रिय भागीदारी की । यहां सनसेट पाइंट , समुद्र तट और बांग्लादेशी नौसेना के नवल बेस का भ्रमण किया, जहां से केडेट्स को रेडार की कार्यप्रणाली तथा जांच सिस्टम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। इन सब के बाद कैडेट्स को उस जगह ले जाया गया जहाँ उन्होंने अपनी यात्रा के सबसे सुखद पल व्यतीत किए। यह यात्रा थी – नेवी क्रूज बीएनएस सुरोवी एवं उसके सिस्टर शिप बीएनएस शपला पर 30 समुद्र मिलों की यात्रा। ग्रुप को 2 भागो में विभाजित करके दोनों जहाजों पर अलग अलग भेजा गया।

कैडेट राहुल के शब्दों में– ''चिटागोंग में दो दिन के भ्रमण के बाद हम 23 दिसमबर को वापस ढाका आए और यह वो पल थे जब हमें अपने वतन वापस लौटना था। अब हमारे साथ वहां बीते हुए पलों की बहुत ही खूबसूरत यादें और श्री लंका, बांग्लादेश, नेपाल तथा मालदीव से बहुत ही अच्छे दोस्त थे। हमने यह 11 दिन वहां भाइयों की तरह बिताए और हर पल को जिया। हमने आपस में अपने स्मृति चिह्न साझा किए और बांग्लादेशी कैडट्स को हमारी पूरी यात्रा के दौरान विनीत और सहयोगी रहने के लिए दिल से धन्यवाद व्यक्त किया।''

कैडैट राहुल त्यागी के समान ही कैडेट विशाल पचौरी का चयन हुआ। उन्होंने थिंपू , भूटान में आयोजित शिविर में भाग लिया। 130 कैडेट्स में से 12 कैडेट्स को यह सुअवसर प्राप्त हुआ। शिविर में भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम तैयार किए गए तथा ड्रिल अभ्यास किया गया। उनके शब्दों में उनकी रोमांचक यात्रा का विवरण–

12 दिसम्बर, 2017 सुबह हम इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए। यह मेरी पहली हवाई यात्रा थी। यह भावना रोमांचकारी थी। हम अपने भारतीय ट्रैक में टर्मिनल 3 पर पहुँचे। हम हवाई अड्डे पर जनता के लिए आकर्षण का केन्द्र बन गये उस समय हम बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहे थे क्योंकि हम विदेश की भूमि पर भारतीय राजदूत बनकर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने जा रहे थे। हम ढाई घंटे की यात्रा के बाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे भूटान में पहुँचे। वहाँ हमारा

स्वागत स्काउट्स और गाइड के कुछ कैडेटों के साथ युवा और खेल विभाग के अधिकारी श्री पेमा ने किया। भूटान में वातावरण बहुत ही ठंडा था लेकिन उनकी गर्मजोशी और आतिथ्य ने हमें उस ठंड के मौसम में सहज किया। इसके बाद हमारा थिम्पू में पारम्परिक गर्म मक्खन चाय और अन्य भूटानी स्वादिष्ट व्यंजनों से स्वागत किया गया, क्योंकि स्काउट्स और गाइड शिक्षा मंत्रालय में आता है, इसलिए हमारे ठहरने की व्यवस्था भी वहीं के होटल में की गई थी। यह स्थान पहाड़ियों तथा नदियों से घिरा हुआ था।

स्काउट एक स्वयंसेवक संस्था है जिसमें प्राथमिक से स्नातकोत्तर के छात्र शामिल होते हैं जिस तरह से वे सहायता प्रदान करते हैं और जिस तरह से वे दिखाए जाते हैं उसके लिए वे गहरी प्रशंसा के हकदार होते हैं। अगले छह दिनों में हमने बस द्वारा विभिन्न जगहों पर जैसे लास्टुपा की विजय राजा के विजय, डुकेंबिन महोत्सव सबसे लम्बे समय तक निलंबन पुल, 16वीं शताब्दी का सबसे पुराना मठ शाही भूटान सेना मुख्यालय भूडा, बिन्दु आईएमट्रैट बेस भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल का दौरा किया। टेकटस हेरिटेज फॉरेस्ट टाइगर नेस्ट भारतीय दूतावास में भारत के हमारे राजदूत के साथ हमें अपने शिक्षा मंत्री से मिलने का भी मौका मिला।

आई एम टी आर ए टी के कमांडेंट और रॉयल भूटान सेना के प्रमुख ने हमें बताया कि वह भारत से भूटान से ज्यादा कैसे जुड़े हैं। उन्होंने हमें बताया कि उन्होंने भारत से अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी की है तथा आई एम ए से कमीशन भी प्राप्त किया उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने वहीं से हिंदी को पढ़ना और लिखना सीखा। फिर वहाँ हमें 17 दिसम्बर को भूटान के राष्ट्रीय दिवस को देखने के लिए आमंत्रित किया गया। दोनों देशों के कैडेटों द्वारा किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुए रात के खाने के बाद अंत में महत्वपूर्ण स्मृति चिह्नों का आदान–प्रदान भी किया गया। श्री पेमा और स्काउट्स और गाइड के कैडेट्स हमारे साथ हमेशा मदद करने के लिए हमारे साथ थे वे लोग वास्तव में विनम्र और बहुत ही सौम्य स्वभाव के थे, फिर उसके बाद भी वे सब विदाई देने के लिए हवाई अड्डे पर आये थे।

प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ

भूटान के चीफ ऑफीसर के साथ

संपूर्ण समूह

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक	:	प्रो. पी.के. कालड़ा
परामर्शक	:	प्रो. आदित्य प्रचण्डिया
सम्पादक	:	डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक	:	डॉ. सूरज प्रकाश डॉ. निशीथ गौड़
सम्पादन सहयोग	:	डॉ. कविता रायजादा श्री अमित जौहरी

समाचार संयोजक : डॉ. अशोक यादव
डॉ. अभिमन्यु
डॉ. अनीशा सत्संगी
डॉ. राजीव रंजन
डॉ. वीरपाल सिंह ठेनुआ
डॉ. क्षमा पाण्डेय
श्री मयंक कुमार अग्रवाल
श्री मनीश कुमार
सुश्री प्रेम प्यारी